उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड जिले के तबलीग जमात के अमीर सहाब सय्यद नजीब सहाब इनका इन्तेकाल हुवा है.. जनाजा नमाज हुजरा मस्जिद के सामने इजतेमा ग्राउंड पे ठीक सबेरे 11 बजे होगी...!!

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१६९ वा रविवार १९ जनवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

'अगर सैफ बीच में नहीं आते, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी': करीना का पुलिस को बयान

जमीर काजी, मुंबई:

सैफ ने हमलावर का अकेले सामना किया। अगर वह बीच में नहीं आते और प्रतिरोध नहीं करते, तो कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। मेरे बच्चों की जान खतरे में थी, ऐसा बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान की पत्नी और प्रसिद्ध अभिनेत्री करीना कपूर ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है।

सैफ पर हुए हमले को तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुंबई पुलिस को अभी तक आरोपी को पकड़ने में सफलता नहीं मिली है। आरोपी की तलाश में युद्ध स्तर पर प्रयास जारी हैं और सभी संबंधित व्यक्तियों के बयान लिए जा रहे हैं। अब तक ५५ से ६० लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। सैफ के पड़ोसियों से भी पूछताछ की गई है।

हमले के वक्त घर में मौजूद करीना कपूर का बयान शुक्रवार रात को पुलिस ने दर्ज किया। इस बयान में उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उनके दिए गए विवरण के आधार पर पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही है। इस बीच, हमलावर की तलाश के लिए ३५ टीमों का गठन किया गया है। इन्हें गुजरात और मध्य प्रदेश भी भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीना कपूर ने अपने बयान में कहा कि सैफ ने हमलावर का अकेले सामना किया। अगर वह बीच में नहीं आते, तो मेरे बच्चों की जान खतरे में होती। हमले के वक्त सैफ ने बच्चों और महिलाओं को १२वीं मंजिल पर भेज दिया था। उन्होंने पूरी तरह से महिलाओं और बच्चों को बचाने का प्रयास किया। अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो कुछ भी हो सकता था।

हमलावर ने घर से कुछ भी चुराया नहीं, लेकिन वह बहुत आक्रामक था। उसने सैफ पर कई बार हमला किया। हमले के बाद मैं डरी हुई थी, इसलिए करिश्मा मुझे अपने घर ले गईं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने पहले सैफ और करीना के बच्चों की नैनी (आया) का भी बयान लिया। नैनी ने बताया कि वह पिछले चार साल से उनके घर में काम कर रही है। १५ जनवरी की रात २ बजे उसे एक अजीब आवाज सुनाई दी और उसकी नींद खुल गई। बाथरूम की लाइट चालू थी। जब वह देखने गई, तो एक आदमी बाहर निकला। वह जेह की तरफ जा रहा था। यह देखकर मैं तुरंत उठ गई और बच्चों की ओर गई। उसने इशारे से चुप रहने को कहा।

जब मैंने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने मुझ पर हमला कर दिया। उसने १ करोड़ रुपये की मांग की। आवाज सुनकर सैफ और करीना दौड़े, लेकिन आरोपी ने सैफ पर भी हमला किया। इस घटना में सैफ को कई जगह चोटें आईं।

आरोपी की उम्र ३५ से ४० वर्ष के बीच बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में उसका चेहरा भी नजर आया है। हमले के बाद वह सीढ़ियों से भाग गया।

हमले को आज तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन पुलिस अभी भी हमलावर की तलाश में है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने ३५ टीमों का गठन किया है।

सैफ पर हमले के मामले में झारखंड में रेलवे पुलिसने संदिग्ध को हिरासत में लिया; आज मुंबई लाया जाएगा

मुंबई: जमीर काजी

अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हुए हमले के मामले में झारखंड के दुर्ग रेलवे पुलिस ने शनिवार दोपहर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे से रेलवे पुलिस ने ३१ वर्षीय संदिग्ध युवक आकाश कुनरिया को मुंबई पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पकड़ा। मुंबई पुलिस का एक दल उसे हिरासत में लेने के लिए रवाना हो चुका है और रविवार को वे मुंबई लौटेंगे, ऐसा सूत्रों ने बताया।

मुंबई पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त देवेन्द्र भारती ने कहा कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गुरुवार तड़के सैफ अली खान पर हमलावर ने घर में घुसकर धारदार चाकू से हमला किया था। उन्हें गंभीर चोटें आई थीं, जिसके चलते उनका लीलावती अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत अब स्थिर है और अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उन्हें दो दिन बाद डिस्चार्ज किया जा सकता है।

इस हमले की जांच में मुंबई पुलिस को अभी तक कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। विभिन्न संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच जारी है।

दुर्ग रेलवे पुलिस ने कैसे पकड़ा संदिग्ध?

दुर्ग के आरपीएफ प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया, हमें मुंबई पुलिस से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस ट्रेन से सफर कर रहा है। उन्होंने संदिग्ध की तस्वीर और टावर लोकेशन साझा की थी। उस आधार पर हमने जनरल डिब्बे की तलाशी ली और संदिग्ध को पकड़ा। मुंबई पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉल के जरिए संदिग्ध की पहचान कर पुष्टि की गई। उसे हिरासत में ले लिया गया है। आगे की पूछताछ मुंबई पुलिस करेगी।

मुंबई पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए ३५ टीमों का गठन किया है और विभिन्न स्थानों पर खोजबीन जारी है। शनिवार को संदिग्ध को बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास एक सीसीटीवी फुटेज में देखा गया था। फुटेज में स्पष्ट हुआ कि हमले के बाद उसने कपड़े बदले थे। दादर में एक मोबाइल की दुकान पर संदिग्ध को हेडफोन खरीदते हुए भी देखा गया है।

महिला सरपंच से मांगी गई एक लाख की रंगदारी

उपसरपंच समेत दो सदस्यों पर मामला दर्ज

अंबाजोगाई, १८ (प्रतिनिधि): केज तहसील के मस्साजोग गांव के रंगदारी मामले के ताजा होने के बाद, अब अंबाजोगाई तहसील में एक महिला सरपंच से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। ममदापुर पाटोदा ग्राम पंचायत की महिला सरपंच से गांव के उपसरपंच और दो अन्य ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

ममदापुर पाटोदा की महिला सरपंच मंगल राम मामडगे ने शिकायत दर्ज कराई कि इन तीन लोगों ने उनसे एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी। शिकायत के अनुसार, गांव में विकास कार्यों के लिए आए फंड के बाद ये लोग बार-बार बाधा डालते हैं। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों में झूठी शिकायतें देते हैं और मानसिक उत्पीड़न करते हैं।

१६ अगस्त २०२४ को, ममदापुर के जिला परिषद स्कूल में मरम्मत का काम चल रहा था। जब महिला सरपंच स्कूल का काम देखने जा रही थीं, तो वसंत सोपान शिंदे, अनिल लालासाहेब देशमुख और ज्ञानोबा श्रीमंतराव देशमुख स्कूल के पास आए। गांव के दो गवाहों की उपस्थिति में उन्होंने सरपंच से चार लाख रुपये के मरम्मत फंड में से एक लाख रुपये देने की मांग की। उन्होंने धमकी दी कि अगर एक लाख रुपये नहीं दिए, तो गांव में कोई भी काम नहीं करने देंगे। साथ ही कहा कि अगर पैसे नहीं दिए, तो वे उनके खिलाफ शिकायत करेंगे और पहले की महिला सरपंच की तरह उन्हें भी जेल भिजवा देंगे।

इस मामले में महिला सरपंच ने उसी समय ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, १५ जनवरी को उन्होंने पुलिस थाने में आकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अजीत पवार बीड, पंकजा ताई मूंड़े जालना के संपर्क मंत्री।

मुंबई। संवाददाता

(प्रतिनिधि): मुख्यमंत्री के देवास दौरे से पहले राज्य के संपर्क मंत्रियों की लंबे समय से प्रतीक्षित सूची आखिरकार जारी कर दी गई है। सरकार ने संपर्क मंत्रियों की सूची जारी की है। उम्मीदों के मुताबिक, बीड़ के संपर्क मंत्री के तौर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पंकजा मुंडे को पड़ोसी जिले जालना की जिम्मेदारी दी गई है। उस्मानाबाद में प्रताप सरनाईक और लातूर में शिवेंद्रसिंहराजे भोसले संपर्क मंत्री होंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यह सवाल सबके मन में था कि किस जिले का संपर्क मंत्री कौन होगा। बीड़ के संपर्क मंत्री के पद को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध हुआ था। बीड़ जिले के धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे दोनों मंत्री हैं, लेकिन संतोष देशमुख हत्याकांड के बाद विपक्ष और महायुति के विधायकों ने धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग की थी। इसके साथ ही यह मांग की गई थी कि धनंजय मुंडे को बीड़ का संपर्क मंत्री न बनाया जाए और मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री अजित पवार इस जिले की जिम्मेदारी लें।

इस संदर्भ में, अब उपमुख्यमंत्री अजित पवार पुणे के साथ-साथ बीड़ के संपर्क मंत्री होंगे। बीड़ जिले में महायुति के पांच विधायक हैं, जिनमें से तीन विधायक राष्ट्रवादी पार्टी के हैं और दो भाजपा के। इस वजह से राष्ट्रवादी पार्टी का इस जिले पर मजबूत दावा बना हुआ था। बीड़ जिले की मंत्री पंकजा मुंडे को जालना जिले का संपर्क मंत्री बनाया गया है। मराठवाड़ा के अधिकतर जिलों में बाहरी संपर्क मंत्री नियुक्त किए गए हैं। उस्मानाबाद के लिए प्रताप सरनाईक, लातूर के लिए शिवेंद्रसिंहराजे भोसले, परभणी के लिए मेघना बोर्डीकर, छत्रपति संभाजीनगर के लिए संजय सिरसाट, नांदेड़ के लिए अतुल सावे और हिंगोली के लिए नरहरी झिरवाल को संपर्क मंत्री नियुक्त किया गया है।

खादिम-ए-उम्मत नांदेड़ की प्रश्नमंजूषा में सर सैयद अहमद खान सेमी इंग्लिश और पीपल्स उर्दू हाई स्कूल ने अपनी सफलता की परंपरा बरकरार रखी

नौवीं कक्षा के रासिक अनस महाराष्ट्र में प्रथम स्थान पर

बीड संवाददाता

नांदेड़ स्थित खादिम-ए-उम्मत की ओर से ५ जनवरी २०२५ को आयोजित प्रश्नमंजूषा परीक्षा में छात्रों को ६०० प्रश्नों के उत्तरों की तैयारी करनी थी। सर सैयद अहमद खान सेमी इंग्लिश और पीपल्स हाई स्कूल ने हमेशा की तरह अपनी परंपरा को बनाए रखते हुए पूरे महाराष्ट्र में पहला स्थान हासिल किया है।

ग्रुप बी में, नौवीं कक्षा के छात्र शेख रासिक

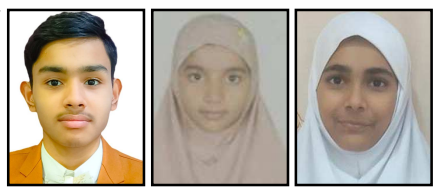

अनस वासिक नदीम ने १०० में से ९८ अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र में पहला स्थान हासिल किया। ग्रुप एम में, पहला स्थान सय्यद अलमिश यासिर ने १०० में से ९३ अंक प्राप्त करके हासिल किया। दूसरा स्थान हफ्सा रहमान फारमान ने १०० में से ९२ अंक प्राप्त कर हासिल किया। स्कूल के सचिव अब्दुल वकील सर और पूरे स्टाफ ने इन छात्रों को बधाई दी। इस कामयाबी पर दैनिक तामीर भी सभी को मुबारकबाद पेश करता है।

वाल्मिक कराड की जमानत पर सुनवाई टली

अन्य आरोपियों को १४ दिन की न्यायिक हिरासत

बीड, १८ (प्रतिनिधि):

बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपी फिलहाल एसआईटी की हिरासत में हैं। इन सभी आरोपियों की एसआईटी हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई। आज इन आरोपियों को बीड जिला न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। एसआईटी ने इन सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की थी। अदालत ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए आरोपियों को १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

संतोष देशमुख हत्या मामले के मुख्य आरोपी सुदर्शन घुले, सुधीर सांगले और सिद्धार्थ सोनवणे की १४ दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई। वहीं प्रतीक घुले, महेश केदार और जयराम चाटे की १२ दिन की पुलिस हिरासत भी खत्म हो गई थी। इसलिए इन सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। इन सभी को अलग-अलग पुलिस थानों के लॉकअप में रखा गया था। सुरक्षा कारणों से इनकी प्रत्यक्ष उपस्थिति के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की गई।

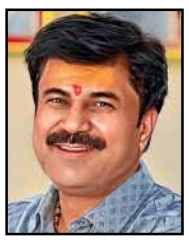

इनमें से दो आरोपी तलवाड़ा पुलिस थाने में, दो गेवराई पुलिस थाने में और दो माजलगांव पुलिस थाने में रखे गए थे। इन थानों से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उन्हें अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

मामले के मुख्य आरोपी सुदर्शन घुले और सुधीर सांगले हैं। सिद्धार्थ सोनवणे पर आरोप है कि उसने संतोष देशमुख की लोकेशन बताई थी।

बीड रेलवे स्टेशन का नाम भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर रखा जाए

अहमदनगर-बीड-परली रेलवे मार्ग के सभी स्टेशनों पर उर्दू में भी लिखे जाएं नाम

एआईएमआईएम पार्टी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट शेख शफीक भाऊ की मांग

बीड (प्रतिनिधि): जल्द ही बीड रेलवे स्टेशन का उद्घाटन होने वाला है। उससे पहले बीड रेलवे स्टेशन का नाम भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर रखा जाए और अहमदनगर-बीड-परली रेलवे मार्ग के सभी स्टेशनों पर उर्दू भाषा में भी नाम लिखे जाएं, ऐसी मांग एआईएमआईएम पार्टी के बीड जिला अध्यक्ष एडवोकेट शेख शफीक भाऊ ने जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में की है।

इस संबंध में दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बीड रेलवे स्टेशन का उद्घाटन समारोह २६ जनवरी २०२५ को निर्धारित किया गया है। उससे पहले इस स्टेशन का नाम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर रखने के लिए बीड जिले की कई सामाजिक संगठनों और राजनीतिक पार्टियों ने मांग की है। हमारी भी यही मांग है कि बीड रेलवे स्टेशन का नाम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही अहमदनगर-बीड-परली रेलवे मार्ग के सभी स्टेशनों पर उर्दू भाषा में नामपट्ट लगाए जाएं।

ज्ञापन में आगे कहा गया है कि देशभर में जहां भी रेलवे मार्ग और सेवाएं उपलब्ध हैं, वहां रेलवे स्टेशनों पर अंग्रेजी के साथ-साथ उर्दू और राज्य की स्थानीय भाषा में भी नामपट्ट लगाए जाते हैं। खासकर उर्दू में नामपट्ट पूरे देश के रेलवे स्टेशनों पर लगाए गए हैं। लेकिन अहमदनगर-बीड-परली रेलवे मार्ग पर जितने भी स्टेशन हैं, वहां सिर्फ अंग्रेजी और मराठी में नामपट्ट लगाए गए हैं, जबकि उर्दू में नामपट्ट नहीं हैं। यह मांग की गई है कि बीड रेलवे स्टेशन के उद्घाटन से पहले इन स्टेशनों पर उर्दू भाषा में नामपट्ट लगाए जाएं। यह मांग एडवोकेट शेख शफीक भाऊ के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में की गई है।

भाऊने अनशनकारियों से मिलकर जताई सहानुभूति और दिया समर्थन

बीड जिलाधिकारी कार्यालय के सामने विभिन्न मांगों को लेकर अनशन पर बैठे आंदोलनकारी सामाजिक कार्यकर्ता अनुरथ सोपानराव वीर के अनशन को एआईएमआईएम पार्टी की ओर से समर्थन दिया गया। इस दौरान शहर अध्यक्ष शिवाजी भोसकर, मानसे मोमिन अजहर, शहर उपाध्यक्ष शेख शाकिर, जिला समन्वयक सैफअली लालू भैया, मार्गदर्शक रियाज खान, शेख फारुक, शेख सैय्यद बासेद और शेख हारून उपस्थित थे।

पत्रकार संघ के प्रदेश संपर्क प्रमुख पद पर वैभव स्वामी की नियुक्ति

बीड प्रतिनिधि

महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ मुंबई के मराठवाड़ा विभागीय अध्यक्ष वैभव स्वामी के संगठन कौशल और उनकी सक्रियता को ध्यान में रखते हुए संघ के संस्थापक अध्यक्ष माननीय श्री संजयजी भोकरे साहब के निर्देशानुसार पत्रकार संघ के प्रदेश संपर्क प्रमुख पद पर वैभव विवेक स्वामी की नियुक्ति की गई है। इस बात की जानकारी प्रदेश महासचिव विश्वासराव अरोटे ने दी है।

महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ मुंबई के बीते दस वर्षो से बीड़ जिला अध्यक्ष और पिछले पांच वर्षो से मराठवाड़ा विभागीय अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालते हुए वैभव स्वामी ने कई महत्वपूर्ण और सक्रिय कार्यक्रम चलाकर पत्रकार संघ का नाम ऊंचा करने का ईमानदारी से प्रयास किया। साथ ही उन्होंने अपने संगठन कौशल का उपयोग करते हुए मराठवाड़ा स्तर पर पत्रकार संघ के सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

उनके प्रयासों के कारण उन्हें पत्रकार संघ ने राज्यस्तरीय सक्रिय अध्यक्ष के रूप में तीन बार राज्य स्तरीय सम्मेलनों में सम्मानित किया। उनके कार्यो को मान्यता देते हुए महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ मुंबई के संस्थापक संगठनकर्ता माननीय श्री संजय भोकरे साहब के आदेशानुसार पत्रकार संघ की राज्य कार्यकारिणी ने संगठन के उद्देश्यों और विस्तार के लिए ग्रामीण और शहरी पत्रकारों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने हेतु उन्हें प्रदेश संपर्क प्रमुख जैसे राज्यस्तरीय सम्मानित पद पर नियुक्त किया। इस उपलब्धि के लिए मराठवाड़ा समेत पूरे राज्य में उनका अभिनंदन किया जा रहा है।

वाल्मिक कराड को धनंजय मुंडे का संरक्षण: संदीप क्षीरसागर का आरोप

बीड, १८ (प्रतिनिधि): वाल्मिक कराड को पहले दिन से ही संरक्षण प्राप्त है। कुछ दिन पहले मीडिया में यह सामने आया था कि

उनके पास अमेरिका का सिम कार्ड है, जिससे यह समझ में आता है कि उनके संपर्क कहां तक हैं। उनकी गिरफ्तारी में इतनी देर क्यों हुई? गिरफ्तार होने के बावजूद अब तक साजिश में उनके नाम का खुलासा नहीं हुआ है। वाल्मिक कराड ही मास्टरमाइंड हैं। उन्हें मंत्री धनंजय मुंडे का संरक्षण प्राप्त है, यह स्पष्ट है। ऐसा आरोप विधायक संदीप क्षीरसागर ने लगाया।

शनिवार (१८ तारीख) को बीड में मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक संदीप क्षीरसागर ने मंत्री धनंजय मुंडे पर गंभीर आरोप लगाए। पवनचक्की कंपनियों से रंगदारी मांगने के मामले में संदिग्ध आरोपी वाल्मिक कराड से पूछताछ चल रही है। उनके खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें पुलिस हिरासत में भेजा गया है। एसआईटी ने उन्हें हिरासत में लेकर जांच शुरू की है।

इस मामले को लेकर अब राजनीतिक माहौल गरमा गया है। विधायक संदीप क्षीरसागर ने कहा कि वाल्मिक कराड जिस तरीके से सरेंडर करते हैं और प्रशासन के सामने जाते हैं, वह संदिग्ध है। लॉकअप में भी उनका हावभाव वैसा ही रहता है। जब जांच उनके पास पहुंचती है, तो रुक जाती है। अगर उनके कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच की जाए तो सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में उनकी संपत्तियों की जांच ईडी को करनी चाहिए। अगर ईडी उनके लेनदेन की जांच करे, तो सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

एनसीपी (अजित दादा) की आगामी रणनीति के लिए शिर्डी में दो दिवसीय बैठक का आयोजन

अजित दादा के नेतृत्व में पार्टी तेज़ी से आगे बढ़ रही है: सुनील तटकरे

मुंबई, १८ जनवरी (संवाददाता): महाराष्ट्र के शिर्डी में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में एनसीपी के मजबूत प्रदर्शन और आगामी स्थानीय निकाय एवं शहरी संस्थाओं के चुनावों के लिए रणनीति तय करने हेतु दो दिवसीय 'संकल्प शिविर' का आयोजन किया गया। इस बैठक में, हैरानी की बात यह रही कि पूर्व मंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल भी शामिल हुए, जो मंत्री पद न दिए जाने से पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे थे।

गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली कैबिनेट में शामिल न किए जाने को लेकर नाराज चल रहे भुजबल ने आज शिर्डी में पार्टी के इस 'संकल्प

शिविर' में हिस्सा लिया। भुजबल ने खुले तौर पर अपनी नाराजगी जताते हुए बताया कि वह एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल और महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे के आग्रह पर इस बैठक में शामिल हुए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्यसभा जाने की उनकी कोई योजना नहीं है और न ही वह अपने येवला विधानसभा क्षेत्र या समता परिषद में जारी अपने काम को छोड़ने का इरादा रखते हैं।

बैठक में विशेष रूप से गैरहाज़िर रहे एनसीपी मंत्री धनंजय मुंडे, जो बीड़ जिले में मसजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी वाल्मीक कराड के साथ कथित संबंधों को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना झेल रहे हैं।

जहां विपक्षी दल मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, वहीं अजित पवार ने इन मांगों को खारिज करते हुए कहा कि इस मामले की जांच तीन एजेंसियां कर रही हैं और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।एक अहम घटनाक्रम में, पार्टी के निलंबित विधायक सतीश चौहान, जिन्होंने शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल होकर गंगापुर क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ा था, शिर्डी बैठक में अजित पवार खेमे में फिर से शामिल हो गए। इसके बाद उनकी निलंबन प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया है।

अपने राज्य में पाटील और देशमुखों के घरों में आज भी ऐसी अनेक रूढी और परंपरा मौजूद है जिसके कारण अनेक जिंदगियां कलंकित हो गई है। इन पुरानी परंपराओं का पालन करने में आज निश्चित ही किसी को भी कोई खुशी नहीं होती फिर भी अनेक महिलाओं की जिंदगी इन्हीं खोखली परंपराओं के नीचे दफन होती है किसी की राह देखते हुए। इसी का एक उदाहरण है यह यथार्थ पर आधारित एक घटना।

'उन' पाटिल देशमुखों के घरों में

यवतमाल शहर के करीब देशमुख वाडी गांव में मेरा एक दोस्त है विजय कुमार देशमुख जिनके घर में गया था। पांच चाचा आज भी संयुक्त परिवार में रहते हैं। घर में जमीन-जायदाद, हवेली, पांच चाचा के नौ लड़के, पाँच लड़कियां, लड़कों की बीवियां और उनके भी बाल-बच्चे इतना बड़ा परिवार था। सभी की जान-पहचान में बहुत समय बीत गया। इसी जान-पहचान में विजय की सगी बहन सुजया और एक चचेरी बहन कावेरी दोनों भी इसी घर में रहती है इनका भी परिचय विजय ने मुझे दिया। विजय की बहन सुजया की शादी वाड़ी गांव के पास ही स्थित एक गांव में अमीर घर में हुई थी। शादी के एक साल बाद ही पति ने ट्रैक्टर के लिए मायके से पैसे लाने दबाव बढ़ाया। इसलिए विवाद शुरू हो गया। यह विवाद दो साल तक चलता रहा और इसी कारण दोनों पति-पत्नी के बीच में तलाक हो गया। इस तलाक को आज आठ साल पूरे हो गए हैं।

शादी के दो साल बाद ही कावेरी के पति का आकस्मिक निधन हुआ। कावेरी के पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। इस निधन को आज चौदह साल पूर्ण हुए है। कावेरी और सुजया इन दोनों का इसमें कोई दोष नहीं था फिर भी दोनों को इसी घर में अपनी पूरी जिंदगी बितानी पड़ी। जब मैंने विजय से दोनों बहनों की शादी का विषय छेड़ा तब विजय ने कहा यह विषय पिताजी से संबंधित है। बस इतना ही कहा। सभी का खाना समाप्त होने के बाद विजय के पिताजी शिवाजीराव देशमुख ने कहा ताई के लिए खाने की थाली गई क्या? मैंने विजय से पूछा क्या कोई और भी मेहमान आए हैं घर में, जिनके लिए खाने की थाली जा रही है। विजय ने कहा पिछले कमरे में मेरी बुआ सोई है। वह चल नहीं सकती। उसका सब कुछ अब बिस्तर पर ही है। मैंने विजय से कहा क्यों उन्हें कोई बाल-बच्चे नहीं है? विजय थोड़ा शांत रहा और फिर उसने कहा की शादी होने के दो महीने बाद ही पता चला की दूल्हे को कोई असाध्य बीमारी है,जो अब ठीक नहीं हो सकती। डॉक्टर ने भी इस विषय में सबको सचेत किया किया की दूल्हे की मौत कभी भी हो सकती है। इस असाध्य बीमारी के बारे में हमें पहले क्यों नहीं बताया गया? हमको अनजान क्यों रखा गया? यही बात दादाजी को खल गई और फिर गुस्से के रूप में प्रज्वलित होती रही। फिर दादाजी बुआ को घर लेकर आए। आज उनकी उम्र चौरासी वर्ष की हो गई है वह इसी घर में रहती है। मैंने कहा बुआ की दोबारा शादी क्यों नहीं की गई? हम लोग दबी जुबान में बात कर रहे थे किंतु यह बात विजय के पिताजी ने सुन ली। उन्होंने कहा हमारे परिवार की परंपरा है कि अब तक हमारी पीढ़ी में कभी भी किसी लकड़ी की दूसरी शादी नहीं की गई है। यही कारण है कि उन्हें स्थाई रूप से मायके में ही रहना पड़ता है। उनकी शादी का विचार कहीं भी नहीं किया जाता। कुछ गांव और शहर में वर्तमान समय में कहीं-कहीं ऐसी शादियां अब हो रही है किंतु उसका संख्या बहुत कम है। हमारे पास बैठी विजया और कावेरी दोनों भी हमारी बातें सुन रही थी। अब इस विषय में मैं क्या कहूं? मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था।

“

Live सफ़र नामा

संदीप काले

sandip98868@gmail.com

9890098868

इस खामोशी को तोड़ने के लिए मैं खेती-बाड़ी का विषय निकला। शादी का विषय वहीं रुक गया। बिस्तर पर लेटी बुआ, उनके लिए थाली परोसने वाली कावेरी, सबका खाना होने के बाद बर्तन मांजने वाली सुजया इन तीनों की कहानी ने मुझे झकझोड दिया। जिंदगी में कुछ अच्छा होगा इस आशा पर उन्होंने बिताए हुए दिन सारे मेरी नजरों के सामने आ रहे थे। मैं कावेरी, सुजया और बुआ के साथ बातचीत करना चाहता था। मैं विजय को साथ लेकर बुआ के कमरे में चला गया। हमारे पैरों की आहट सुनते ही बुआ ने कहा इतनी रात को कौन आया है? विजय ने कहा बुआ मैं हूं विजय। फूफा ने कहा बड़े दिनों बाद बुआ की याद आई? विजय ने कहा मुंबई से मेरा दोस्त आया है संदीप। पिताजी ने तुम्हारे बारे में उसे बताया है। इसीलिए वह तुमसे मिलने यह आया है। बुआ ने पहले मुझसे मेरी खैरियत पुछी। फिर मैंने बुआ से बात की जब आपकी शादी टूटी तब आप कितने साल की थी? बुआ ने कहा होगी यही कोई बारह-तेरह साल की। मैंने पूछा जब आप दोबारा इस घर में वापस आई तब क्या कभी आपके माता-पिता ऐसा नहीं कि आपकी दोबारा शादी कर देनी चाहिए? बुआ ने धीमे स्वर में कहा ऐसी परंपराएं हमारे यहां नहीं है। शादी के बाद जब कोई लड़की फिर से मायके आती है तो उसकी दोबारा शादी नहीं की जाती, मानो यही हमारी परंपरा है। हमारे घर ही नहीं बल्कि संपूर्ण रिश्तेदार और बिरादरी में भी आपको इस प्रकार की घटनाएं दिखेगी। कुछ जगह पर दोबारा शादी भी की गई किंतु वैवाहिक जीवन सफल नहीं रहा। मेरे दादाजी ने ऐसे कई उदाहरण मुझे बताएं जहां की पीढ़ियां दूसरी शादी के कारण बर्बाद हो गई। हमारी बातें जारी थी। हमको बातचीत में व्यस्त देखते हुए विजय अंदर जाकर कावेरी और सुजजा को साथ लेकर आया। इतनी रात को इन दोनों को कमरे में देखकर बुआ को भी आश्चर्य हुआ। बुआ ने कहा हमारे घर में हम तीनों है। हमारे गांव में आपको ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलेंगे। संपूर्ण राज्य में हमारे रिश्तेदार है वहां भी अनेक जगह पर आपको यही परंपरा देखने को मिलेगी। पाटील और देशमुखों के घरों में नसीब साथ लेकर ही जन्म लेना पड़ता है, नहीं तो बहुत तकलीफ होती है। कावेरी और सुजया इनके पास तो ऐसे कई उदाहरणों की बहुत बड़ी सूची थी। अब तीनों भी खुलकर बात कर रही थी। उनकी भावनाएं, उनकी समस्याएं,उनका तारुण्य, लोगों की नजरे, घर में किसी कोने में बैठना, किसी उत्सव-महोत्सव में सहभागी ना होना इन सारी बातों और परंपराओं को निभाते हुए इनका जीवन कितना कलंकित हो चुका था, यह उनकी बातों से समझ में आ रहा था। कावेरी ने कहा जब भी हमारी शादी का विषय घर में चलता है तो हमारी भाभायाँ हमसे मुंह मोड़ लेती है। चार-चार दिन हमसे बात नहीं करती। मां को बहुत लगता था कि हमारी शादी होनी चाहिए किंतु पिताजी ने कभी इस बात को नहीं माना। घर के सभी सदस्य हमारी शादी के खिलाफ रहे। कुछ रिश्ते खुद चलकर यहां आए किंतु किसी को दो-दो बच्चे हैं थे, कोई नशा करता था, किसी की उम्र पचास के ऊपर थी ऐसी अवस्था में फिर से शादी करने से अच्छा है लड़की को जिंदगी भर घर में ही बिठाया जाए,यही घर के बड़े बुजुर्गो की सोच रही। मैं, विजय,बुआ, कावेरी,सुजया बहुत देर तक बात करते हुए बातों में खो गए। बुआ ने बहुत पुराने किस्से भी हमें सुनाएं। अंत में बुआ ने कहा बिना शादी के पूरी जिंदगी बिताना आसान नहीं है बेटा। मैंने जब भी इन दोनों लड़कियों की दोबारा शादी करने का विषय घर में निकला तब विजय के पिता ने कहा शादी करना बच्चों का खेल नहीं है बहुत पैसे खर्च होते हैं। व्यक्ति की भावना और जिंदगी से बढ़ाकर पैसा थोड़ी होता है! सभी नकाब ओढ़ कर बैठे हैं। फूफा की बातें सुनकर हम सब शांत बैठे रहे।

बुआ खटिया से उठ गई। कमर में लगा बटवा निकाला। उसमें एक चाबी थी वह विजय के हाथ में देते हुए बुआ ने विजय से कहा वह संदूक बाहर निकालो। विजय ने संदूक बाहर निकाल ली। बुआ के कहे अनुसार उसे संदूक में दो जर्मन के बड़े डब्बे थे। एक डब्बा छुट्टे पैसों से भरा हुआ था तो एक डब्बे में पुराने नोट थे। बुआ ने कहा बेटा विजय घर में बस तू ही एक पढ़ा-लिखा इन्सान है। यह पैसे मैंने अब तक जमा किए थे। वह सारे पैसे तुम रख लो और इन दो लड़कियों की शादी करा दो। बुआ की बाते सुनकर वातावरण एक प्रकार का सन्नाटा फैल गया। कावेरी और सुजिया दोनों भी रोने लगी। हम सभी बातों में इतने खो गए थे की विजय के पिताजी कब हमारे पीछे आकर खड़े हुए हमें पता भी नहीं चला। पिताजी हमारे पास आकर शांत स्वर में कहने लगे आप समझते हो इतना भी मैं अहंकारी नहीं हूं। केवल सामाजिक परंपराओं ने मेरे हाथ बांध रखे हैं। क्या मुझे नहीं लगता कि मेरी बेटी का संसार खुशियों से भरा हो? फिर इस विषय पर हमारी बहुत चर्चा हुई। सुबह चाय पीते समय पिताजी ने किस गांव में किस पाटील और देशमुख के घर में कितनी लड़कियां,लड़के शादी के लायक है यह बताया। विजय के चाचा ने बताया कि महाराष्ट्र में आज भी अनेक जिलों में यह खोखली परंपरा कितने घरों में कायम है। जिसके कारण कितने जिंदगियां बर्बाद हो गई है यह बताया। लड़कियों की शादी क्यों नहीं होती? जब मै इस विषय की गहराई में गया तब मुझे और जानकारी मिली। गांवकी और भावकी परंपराओं को चिपके हुए देशमुख और पाटिल उनके घरों में आज भी लड़की की दूसरी शादी करने के लिए नाक की रट ही लगी रहती है। उन लड़कियों की जिंदगी रोज जलती है। यह वह अपने आंखों से देखते हैं। व्यक्ति स्वातंत्र्य, इंसानियत इन सारी बातों से इस नकाबपोश परंपराओं का मुखौटा लगाने वाले लगाने वाले पाटिल देशमुखों को कोई लेना-देना नहीं है यही सत्य है। है ना।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com